

RAJASTHAN TECHNICAL UNIVERSITY, KOTA

FORMATION OF ANTI-RAGGING COMMITTEE AND SQUADS

Reference:

- (i) Directives of the Hon'ble Supreme Court of India, dated May 16, 2007 in SLP No (s) 24295 of 2006 University of Kerala vs. Council, Principals', Colleges, Kerala & Others (with SLP(C) No. 2429699/2004 & W.P. (CrI) No. 173/2006 and SLP(C) No. 14356/2005).
- (ii) UGC letter no. M 1-15/2009 (Anti-ragging, dated 01 Aug 2012)

The Hon'ble Supreme Court of India admitted and heard the above referred LPs in relation to the menace of ragging in Technical Institutions/ Universities/ Colleges in the Country. In this connection, a committee headed by Dr. R. K. Raghavan, former Director of CBI, for giving specific recommendations on effective prevention of ragging in educational institutions was constituted by the apex court.

The recommendations of the Committee were duly accepted and the following directives have been issued to all the educational institutions for necessary implementation by the Hon'ble Court.

1. Factors Enlisted by the Committee:

- (A) Primary responsibility for curbing ragging rests with academic institutions themselves.
- (B) Ragging adversely impacts the standards of higher education.
- (C) Incentives should be available to institutions for curbing the menace and there should be disincentives for failure to do so.
- (D) Enrollment in academic pursuits or a campus life should not immunize any adult citizen from penal provisions of the laws of the land.
- (E) Ragging needs to be perceived as failure to inculcate human values from the schooling stage.

(F) Behavioral patterns among students, particularly potential 'raggers', need to be identified.

(G) Measures against ragging must deter its recurrence.

(H) Concerted action is required at the level of the school, higher educational institution, district administration, university, State and Central Governments to make any curb effective.

(I) Media and the Civil Society should be involved in this exercise.

2. Recommendations approved by the Hon'ble Supreme Court

(A) The punishment to be meted out has to be exemplary and justifiably harsh to act as a deterrent against recurrence of such incidents.

(B) Every single incident of ragging where the victim or his parent/guardian or the Head of institution is not satisfied with the institutional arrangement for action, a **First Information Report (FIR)** must be filed without exception by the institutional authorities with the local police authorities. Any failure on the part of the institutional authority or negligence or deliberate delay in lodging the FIR with the local police shall be construed to be an act of culpable negligence on the part of the institutional authority. If any victim or his parent/guardian of ragging intends to file FIR directly with the police, that will not absolve the institutional authority from the requirement of filing the FIR.

(C) In the prospectus to be issued for admission by educational institutions, it shall be clearly stipulated that in case the applicant for admission is found to have indulged in ragging in the past or if it is noticed later that he has indulged in ragging, **admission may be refused or he shall be expelled from the educational institution.**

(D) It shall be the collective responsibility of the authorities and functionaries of the concerned institution and their role shall also be open to scrutiny for the purpose of finding out whether they have taken effective steps for preventing ragging and in case of their

failure, action can be taken; for example, denial of any grant in aid or assistance from the State Governments.

(E) **Anti-ragging committees and squads** shall be forthwith formed by the institutions and it shall be the job of the committee or the squad, as the case may be, to see that the Committee's recommendations, more particularly those noted above, are observed without exception and if it is noticed that there is any deviation, the same shall be forthwith brought to the notice of this Court.

(F) The Committee constituted pursuant to the order of this Court shall continue to monitor the functioning of the anti-ragging committees and the squads to be formed. They shall also monitor the implementation of the recommendations to which reference has been made above.

3. Action to be taken by the constituent and affiliated Colleges:-

(A) **Formation of Committees and Squads:** Complying with the directives of the Hon'ble Supreme Court of India, the college has to form the Anti-ragging committees and squads for overseeing the implementation of the provisions of the verdict with immediate effect:

i. College level Anti-Ragging Committee

ii. College level Anti-Ragging Squads

iii. Hostel level Anti-Ragging Squads

(B) **Undertaking from Students and Parents:** Each of the student of the Institute and his/her parents and, or Guardian are required to submit a combined undertaking at the time of registration, in the prescribed format as attached to this order, which is mandatory for registration. Each class advisory has to be directed to complete it from students of his class.

All concerned officials of the Institute, students, parents and guardians of the students, members of Institute Anti-Ragging committee and Anti-Ragging squads are to adhere to the stipulations and effectively monitor and comply with the provisions made in the directives. The Anti-Ragging Committee and Squads need to spread awareness regarding the menace of ragging and take anti-ragging initiatives.

उच्चतर शिक्षण संस्थानों में रैगिंग निषेध से सम्बन्धित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अधिनियम, 2009

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 धारा 26 (1) (जी) के अन्तर्गत) विनियम 3 – रैगिंग क्या है ?

निम्नलिखित कोई एक अथवा अनेक कार्य रैगिंग के अन्तर्गत आएँगे

क) किसी छात्र अथवा छात्रों द्वारा नए आनेवाले छात्र का मौखिक शब्दों अथवा लिखित वाणी द्वारा उत्पीड़न अथवा दुर्व्यवहार करना।

ख) छात्र अथवा छात्रों द्वारा उत्पात करना अथवा अनुशासनहीनता का वातावरण बनाना जिससे नए छात्र को कष्ट, आक्रोश, कठिनाई, शारीरिक अथवा मानसिक पीड़ा हो।

ग) किसी छात्र से ऐसे कार्य को करने के लिए कहना जो वह सामान्य स्थिति में न करे तथा जिससे नए छात्र में लज्जा, पीड़ा, अथवा भय की भावना उत्पन्न हो।

घ) वरिष्ठ छात्र द्वारा किया गया कोई ऐसा कार्य जो किसी अन्य अथवा नए छात्र के चलते हुए शैक्षिक कार्य में बाधा पहुँचाएँ।

ङ) नए अथवा किसी अन्य छात्र का दूसरों को दिए गए शैक्षिक कार्य को करने हेतु बाध्य कर शोषण करना।

च) नए छात्र का किसी भी प्रकार से आर्थिक शोषण करना।

छ) शारीरिक शोषण का कोई भी कार्य/किसी भी प्रकार का यौन शोषण, समलैंगिक प्रहार, नंगा करना, अश्लील तथा काम सम्बन्धी कार्य हेतु विवश करना, अंग चालन द्वारा बुरे भावों की अभिव्यक्ति करना, किसी प्रकार का शारीरिक कष्ट जिससे किसी व्यक्ति अथवा उसके स्वास्थ्य को हानि पहुँचे।

ज) मौखिक शब्दों द्वारा किसी को गाली देना, ई-मेल, डाक, पब्लिकली किसी को अपमानित करना, किसी को कुमार्ग पर ले जाना, स्थानापन्न अथवा कष्टदाय देना या सनसनी पैदा करना जिससे नए छात्र को घबराहट हो।

झ) कोई कार्य जिससे नए छात्र के मन मस्तिष्क अथवा आत्मविश्वास पर दुष्प्रभाव पड़े । नए अथवा किसी छात्र को कुमार्ग पर ले लाना तथा उस पर किसी प्रकार की प्रभुता दिखाना ।

विनियम 7 – संस्थाध्यक्ष द्वारा की जानेवाली कार्रवाई

रैगिंग विरोधी दल अथवा सम्बन्धित किसी के भी द्वारा रैगिंग की सूचना प्राप्त होने पर संस्थाध्यक्ष तुरन्त सुनिश्चित करें कि क्या कोई अवैध घटना हुई है और यदि हुई है तो वह स्वयं अथवा उसके द्वारा अधिकृत रैगिंग विरोधी समिति से सूचना प्राप्ति के 24 घंटे के भीतर प्राथमिकी दर्ज कराए अथवा रैगिंग से सम्बन्धित विधि के अनुसार संस्तुति दे । रैगिंग के अंतर्गत निम्नलिखित अपराध आते हैं ।

1. रैगिंग हेतु उकसाना
2. रैगिंग का आपराधिक षड्यंत्र
3. रैगिंग के समय अवैध ढंग से एकत्र होना तथा उत्पात करना
4. रैगिंग के समय जनता को बाधित करना
5. रैगिंग के द्वारा शालीनता और नैतिकता भंग करना
6. शरीर को चोट पहुँचाना
7. गलत ढंग से रोकना
8. आपराधिक बल प्रयोग
9. प्रहार करना, मौन सम्बन्धी अपराध अथवा अप्राकृतिक अपराध
10. बलात् ग्रहण
11. आपराधिक ढंग से बिना अधिकार दूसरे के स्थान में प्रवेश करना
12. सम्पत्ति से सम्बन्धित अपराध
13. आपराधिक धमकी
14. मुसीबत में फँसे व्यक्तियों के प्रति उपर्युक्त में से कोई अथवा सभी अपराध करना
15. उपर्युक्त में से कोई एक अथवा सभी अपराध पीड़ित के विरुद्ध करने हेतु धमकाना
16. शारीरिक अथवा मानसिक रूप से अपमानित करना
17. रैगिंग की परिभाषा से सम्बन्धित सभी अपराध

रैगिंग की परिभाषा से सम्बन्धित सभी अपराध यह भी उल्लेख किया जाता है । संस्थाध्यक्ष रैगिंग की घटना की सूचना तुरन्त जिला स्तरीय रैगिंग विरोधी समिति तथा सम्बद्ध विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी को दें । यह भी उल्लेख किया जाता कि संस्था इन विनियम के खण्ड 9 के अधीन अपनी जाँच और उपाय पुलिस तथा स्थानीय अधिकारियों द्वारा की जाने वाली कार्रवाई की प्रतीक्षा किए बिना प्रारम्भ कर दे और घटना के एक सप्ताह के भीतर औपचारिक कार्रवाई पूरी कर ली जाए ।

विनियम 9.1 – रैगिंग की घटनाओं पर प्रशासनिक कार्रवाई

1. किसी छात्र को रैगिंग का दोषी पाए जाने पर संस्था द्वारा निम्नलिखित विधि अनुसार दण्ड दिया जाएगा।

क) रैगिंग विरोधी समिति उचित दण्ड के सम्बन्ध में उचित निर्णय लेगी अथवा रैगिंग की घटना के स्वरूप एवं गम्भीरता को देखते हुए रैगिंग विरोधी दल दण्ड हेतु अपनी संस्तुति देगा।

ख) रैगिंग विरोधी समिति रैगिंग विरोधी दल द्वारा निर्धारित किए गए अपराध के स्वरूप और गम्भीरता को देखते हुए निम्नलिखित में को कोई एक अथवा अनेक दण्ड देगी।

1. कक्षा में उपस्थित होने तथा शैक्षिक अधिकारो से निलम्बन
2. छात्रवृत्ति/छात्र अध्येतावृत्ति तथा अन्य लाभों को रोकना/वंचित करना
3. किसी टैस्ट/परीक्षा अथवा अन्य मूल्यांकन प्रक्रिया में उपस्थित होने से वंचित करना
4. परीक्षाफल रोकना
5. किसी प्रादेशिक, राष्ट्रीय अथवा अन्तर्राष्ट्रीय मीट, खेल, युवा महोत्सव आदि में संस्था का प्रतिनिधित्व करने से वंचित करना।
6. छात्रावास से निष्कासित करना
7. प्रवेश रद्द करना
8. संस्था से 04 सत्रों तक के लिए लिए निष्कासन करना।
9. संस्था से निष्कासित और परिणाम रूवरूप किसी भी संस्था में निश्चित अवधि तक निष्कासन करना। जब रैगिंग करने अथवा रैगिंग करने के लिए भड़काने वाले व्यक्तियों की पहचान न हो सके संस्था सामूहिक दण्ड का आश्रय ले।

UNIVERSITY COLLEGE OF ENGINEERING, RTU KOTA

The following committees and squads are formed:-

(A) COLLEGE LEVEL ANTI-RAGGING COMMITTEE

1. Pro Vice Chacellor & Director, UCE : Dr. O.P. Chhangani
2. Chief Proctor : Dr. A. K. Dwivedi

3. All HODs are the member of Anti-Ragging Committee as follows:
For convenience, the Cell Nos. of university officials are:

1	Dr. O.P. Chhangani, Pro VC & Director	9414189879
2	Dr. A.K. Dwivedi, Chief Proctor	9414260887
3	Dr. H.D. Charan, Head Civil Engg. & Chief Warden	9413002733
4	Dr. N.P. Kaushik, Coordinator	9414515676
5	Dr. R. Shringi, Head Mech. Engg.	9461182531
6	Dr. Rajeev Gupta, Head Electronics Engg.	9414596958
7	Dr. S.Mishra, Head MBA	9414556516
8	Sh. C.P. Gupta, Head Computer Engg.	9414789785
9	Dr. Anil Kumar, Head Physics	9414937016
10	Dr. Vibhav Chaturvedi, Head Chemistry	9785537225
11	Dr. N.R. Rathie, Head Mathematics	9414939260
12	Dr. Praveen Kumar, Head Petroleum	9414596454
13	Dr. Sandeep Parashar, Head Aeronautical	9414666748
14	Sh. Rajeev Rajora, ESF Advisor	9828236370
15	Dr. R. Singhal, Dy. Ch. Warden	9414420890
16	Dr. Sunil Jain, Proctor & Nodal Officer, Anti-Ragging	9413002570
17	Dr. R.S. Meena, Proctor	9929517745
18	Dr. S.R. Kapoor, Proctor	9414317496
19	Shri S.K. Sharma, Warden Hostel 4	9460013249
20	Dr. Rakesh Dubey, Sports Officer	9413186369

(B) COLLEGE LEVEL (UCE) ANTI-RAGGING COMMITTEE/SQUADS:-

(i) Members of Anti Raging Flying Squad (Mobile Units)

(a) Squad to visit various spots/places during college hours:

1. Dr. Vibhav Chaturvedi – Coordinator
2. Dr. Ranjan Maheshwari
3. Sh. Rajeev Rajora
4. Dr. Diwakar Sharma
5. Dr. Sandeep Parashar
6. Sh. R.P. Tripathi
7. Shri S.N. Tak
8. Ms. Nirmala Sharma
9. Ms. Shweta Sharma

(b) Squad to visit various places/spots half an hour before college time and half an hour after college hours:

1. Dr. N.P. Kaushik - Coordinator
2. Dr. J.K. Sharma
3. Dr. R. Singhal
4. Dr. Sunil Jain
5. Dr. A. Bindlish
6. Dr. R.S. Meena
7. Dr. Rajesh Lidiya
8. Sh. S. K. Sharma
9. Dr. S.R. Kapoor
10. Dr. Rakesh Dubey

(C) HOSTEL LEVEL ANTI-RAGGING SQUAD:-

(i) Chief Warden : Prof. H.D. Charan

(ii) Wardens - Hostel 1, 2,3 & 4 respectively are: Dr. Rakesh Dubey, Dr. R. Singhal, Dr. Rajesh Lidiya, and Sh. S.K. Sharma

(iii) Girls Hostel: Vandana Tak, Seema Agrawal and Seema Meena

The Chief Warden, alongwith his team of hostel wardens shall remain vigilant always during the evening and late evening and in the night hours.

Further, following staff members would also perform the duty of Ant-Ragging on respective days as follows:-

DAY	SQUAD-I (6 AM to 6 PM)	SQUAD-II (6 PM to 6 AM)
Monday	Dr. M.K. Saxena, Dr. Sanjeev Mishra, Sh. P. Bhandari, Sh. Anand Chaturvedi Sh. R. Banyal	Dr. N.P. Kaushik Sh. Anant Ballal Sh. Dheeraj Palwalia
Tuesday	Dr. R.C. Gaur, Dr. N.R. Rathie, Dr. Dinesh Birla, Sh. R.P. Tripathi, Sh. S.K. Mathur	Sh. S.C. Mittal Dr. R.S. Meena Shri Rajan Karir
Wednesday	Dr. B.P. Suneja, Dr. Sandeep Parashar, Dr. B.L. Sharma, Sh. Gitesh Vijay, Sh. Dinesh Soni	Dr. S.C. Jain Dr. R. Singhal Dr. Praveen Kumar
Thursday	Dr. Anil Kumar, Dr. Diwakar Sharma, Sh. A.K. Sharma, Sh. Rajeev Rajora, Sh. Deepak Bhatia	Dr. Rajeev Gupta Dr. Rajesh Lidiya Sh. S. K. Sharma
Friday	Dr. Ranjan Maheshwari, Sh. M. Chaturvedi, Dr. Vivek Pandey, Sh. Pankaj Shukla Sh. Rajesh Bhatt	Dr. K.V.S. Rao Dr. Mithilesh Kumar Sh. D.P. Sharma
Saturday	Dr. R. Shringi, Sh. A.K. Sharma, Dr. R.C. Bohra, Sh. C.P.Gupta Dr. V.K. Goarana,	Dr. S.K. Rathore Dr. J. K. Sharma Sh. C.D. Prasad
Sunday	Dr. Anil Pathak , Sh. S.N.Tak, Sh. Vaibhaw Garg, Sh. Dinesh Jain Sh. R.K. Banyal	Dr. A.K. Mathur Sh. K.S. Grover Dr. Ajay Bindlish
All Girls & Girls Hostel (All Days)	Mrs. Manisha Bhandari, Ms. Rajshree Taparia Mrs. Manisha Vyas, Ms. Irum Alvi Ms. Shweta Sharma, Ms. Sunita Chahar	Dr. Annapurna Bhargava Ms. Vandana Tak Ms. Seema Agrawal Ms. Seema Meena

**By order:
Pro VC & Director, UCE**